दैनिक नवज्योति

जयपुर, मंगलवार, 5 दिसंबर 201

ऊंच गांव में अब आधुनिक भट्ठियों पर बनेंगी हरे रंग की चूड़ियां

न्यूज सर्विस/नवज्योति, भरतपुर

भरतपुर के नदबई पंचायत समिति क्षेत्र के ऊंच गांव में कांच की हरे रंग की चूड़ियां बनाने वाले लोग अब कम लागत में अधिक उत्पादन ले सकेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य स्तर भी ऊंचा बना रहेगा जिसके लिये परम्परागत भट्टियों के स्थान पर लुपिन फाउण्डेशन ने नई दिल्ली के रूटैग (रूरल टेक्नोलॉजी एक्शन ग्रुप) के सहयोग से अति आधुनिक भट्टियों का निर्माण कराया है।

इनमें सुरक्षित वातावरण में कम ईंधन से अधिक चूड़ियां तैयार की जा रही हैं। लुपिन फाउण्डेशन के अधिशाषी निदेशक सीताराम गुप्ता ने बताया कि ऊंच गांव में कचेरा जाति के करीब 40 परिवार वर्षों से परम्परागत भट्टियों पर चूड़ियां बनाते आ रहे थे। इन भट्टियों में ईंधन की अधिक खपत होने के साथ ही इनसे निकलने वाला धुंआं उनके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालता था साथ ही कांच की जहरीली गैस भी अनेक बीमारियां पैदा कर भट्टियों पर काम करने वाले व्यक्ति की उम्र को घटाकर 40 से 45 वर्ष कर देती। इस समस्या के निदान के लिये संस्था ने सर्वप्रथम रा य के विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग के सहयोग से नवीन चूड़ी भट्टियों का निर्माण कराया जिसमें धुआं निकालने के लिये 18 फुट ऊंची चिमनी लगाने के अलावा भट्टियों में फायरब्रिक्स लगाई गयीं लेकिन इसके बाद भी धुआं निकलना पूरी तरह बन्द नहीं हुआ और भट्टियों पर काम करने वाले व्यक्ति को बैठने में परेशानी भी होने लगी। इन सारी समस्याओं के निदान के लिये संस्था ने आईआईटी नई दिल्ली के रूटैग से सम्पर्क किया जिसके वैज्ञानिकों ने गांव में पहुंचकर समस्यायें जानीं और समाधान के लिये अतिआधुनिक भट्टी का निर्माण कराया।

गुप्ता ने बताया कि इस आधुनिक भट्टी में न तो धुआं निकलता है और न ही कांच की जहरीली गैसें बाहर आती हैं। जिससे भट्टी पर काम करने वाले आदमी के शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। इस भट्टी में फायरब्रिक्स इस तरह लगाई गयी हैं कि भट्टी का तापमान 1400 डिग्री सेन्टीग्रेड पहुंचने के बाद भी काम करने वाले व्यक्ति के शरीर को प्रभावित नहीं करता है। इसके अलावा इस भट्टी में परम्परागत भट्टियों के मुकाबले लगभग 50 प्रतिषत ईंधन की भी बचत होती है साथ ही भट्टी पर काम करनेवाला व्यक्ति आसानी से बैठ सकता है जिससे उसे कोई थकावट नहीं होती। इस नवीन भट्टी से कांच की चूड़ी बनाने वाले लोगों का उत्पादन भी करीब दोगुना हो गया है। ऊंच गांव में कांच की चूड़ी बनाने वाला कारीगर प्रतिमाह आसानी से करीब 6 हजार रूपये कमा लेता है। इन हरे कांच की चूड़ियों का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में विषेष रूप से शादी विवाहों में किया जाता है और इसके विक्रेता गांव से ही चूड़ी खरीद ले जाते हैं।

प्रतिवर्ष करीब 2 करोड़ रूपये की हरे कांच की चूड़ियों का व्यापार इस गांव से होता है। हरे कांच की चूड़ियों के विक्रय के कार्य में गांव के ही करीब एक दर्जन लोगों को रोजगार मिला हुआ है। वे गांव गांव जाकर इन चूड़ियों का विक्रय करते हैं जबकि कुछ व्यापारी इन्हें थोक में खरीद ले जाते हैं। नदबई तहसील के ऊंच गांव में कुल 5 भट्टियां हैं जिनमें से एक को तो लुपिन फाउण्डेशन ने रूटैग के सहयोग से अति आधुनिक बना दिया है शेष को भी जीर्णोद्वार करने का काम संस्था द्वारा किया जायेगा।